सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 306 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 14 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

व्यक्ति अकेले पैदा होता है और अकेले मर जाता है और वह अपने अच्छे और बुरे कर्मों का फल खुद ही भुगतता है और वह अकेले ही नर्क या स्वर्ग जाता है।
-चाणक्य

एमपी का फाइनल में मुंबई से... 7 | इंडिया गठबंधन का बिखराव, भाजपा... 3 | राहुल को घेरने की एक और... 2

किसानों के दबाव से सरकार का बढ़ा तनाव!

पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले, शंभू बॉर्डर पर जवान व किसान आमने-सामने

अन्नदाताओं के पक्ष में आया विपक्ष, एनडीए सरकार को घेरा

» अलर्ट पर हरियाणा सरकार, अंबाला के 12 गांवों में इंटरनेट निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोर्ट के आदेश को दरकिनार करते हुए किसानों पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले व वाटर कैनन छोड़े। इसकी वजह से शंभू बॉर्डर पर तनाव बढ़ गया। किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए शांति से मार्च कर रहे हैं। वे केंद्र पर अपने मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत करने का भी दबाव बना रहे हैं।

ज्ञात हो कि अदालत ने किसानों को शांति से प्रदर्शन करने का जहां निर्देश दिया था वहीं यह भी कहा था की केंद्र व राज्य सरकार के प्रतिनिधि किसानों से बात करे व उनकी समस्या का निराकरण करें। उधर विपक्ष ने भी किसानों का समर्थन किया है और केंद्र सरकार से अड़ियल रवैया छोड़कर उनके बातचीत करने को कहा है।

शंभू बॉर्डर पर विरोध स्थल से 101 किसानों के जत्थे ने किया पैदल मार्च

पंजाब और हरियाणा की सीमा पर शंभू बॉर्डर पर विरोध स्थल से 101 किसानों के जत्थे ने दोपहर 12 बजे दिल्ली के लिए अपना पैदल मार्च शुरू किया। इस दौरान किसानों को रोकने के लिए पुलिस ने उनपर आंसू गैस के गोले दागे. पुलिस ने किसानों को रोकने की पूरी तैयारी कर रखी है। शंभू बॉर्डर से दिल्ली की ओर किसानों का विरोध मार्च फिर से शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही हरियाणा सरकार ने 'सार्वजनिक शांति बनाए रखने के लिए अंबाला जिले के 12 गांवों में मोबाइल इंटरनेट और एक साथ कई एसएमएस भेजने की सेवाओं को निलंबित कर दिया था। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) सुमिता मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह निलंबन 17 दिसंबर तक लागू रहेगा।

किसानों को अदालत की बात माननी चाहिए : विज

हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने कहा कि किसानों को इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई का हवाला देते हुए अस्थायी रूप से अपना विरोध प्रदर्शन रोक देना चाहिए। अनिल विज ने कहा कि शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए कुछ समय मांगा है और सुझाव दिया है कि किसान अपना विरोध प्रदर्शन रोकने पर विचार करें।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ी

खनौरी सीमा पर 18 दिनों से अधिक समय से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तबीयत काफी बिगड़ गई है। उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने वजन कम होने और अस्थिर ब्लड प्रेशर की सूचना दी है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और केंद्र सरकार को डल्लेवाल के लिए चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दियाय कोर्ट ने कहा उनका जीवन आंदोलन से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

किसानों की ये हैं मांग

किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए मार्च कर रहे हैं। वे केंद्र पर अपने मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत करने का भी दबाव बना रहे हैं।

बीजेपी सांसद का विवादित बयान, मचा बवाल

बॉर्डर पर दिल्ली कूच के लिए बैठे पंजाब के किसानों को नशेड़ी कहने पर राज्यसभा सदस्य रामचंद्र जांगड़ा की किसान-मजदूर संगठन और इनेलो ने निंदा की है। उन्होंने आंदोलन के पीछे ह्यूमन ट्रैफिकिंग होने का आरोप लगाया। उनके इस बयान से राजनीति गरमा गई है।इनेलो पार्टी की महिला प्रकोष्ठ की प्रधान महासचिव एवं हिसार जिला प्रभारी सुनैना चौटाला ने कहा कि उनको किसानों से माफी मांगनी चाहिए। इधर, शंभू बॉर्डर पर पंजाब किसान मजदूर संघर्ष समिति के प्रधान सरवन सिंह पंढेर ने भी बयान पर निंदा प्रकट की। जांगड़ा ने किसान आंदोलन को लेकर विवादित बयान दिया था कि टिकरी व सिंघु बॉर्डर पर पंजाब के नशेड़ी एक साल बैठे हैं। आंदोलन के पर्दे के पीछे कुछ गलत लोग ह्यूमन ट्रैफिकिंग करने वाले आ गए हैं।

सुरक्षाकर्मियों की भारी तैनाती

हरियाणा की सीमा पर सुरक्षाकर्मियों की भारी तैनाती की गई है। इससे पहले हरियाणा सरकार ने छह से नौ दिसंबर तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं, एक साथ कई एसएमएस भेजने की सेवाएं निलंबित कर दी थीं। शनिवार को जारी एक नए आदेश में कहा कि मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं वॉइस कॉल को छोड़कर मोबाइल इंटरनेट सेवाओं, बल्क एसएमएस और मोबाइल नेटवर्क पर प्रदान की जाने वाली सभी डोंगल सेवाओं को निलंबित करने का आदेश देती हूं।

संसद में संविधान पर चर्चा जारी, सड़क पर विपक्ष का प्रदर्शन

प्रियंका ने सरकार पर लगाया वायनाड को विशेष पैकेज न देने का आरोप

केरल के विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में शनिवार को संविधान पर फिर चर्चा हुई। इस पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू कहा भारतीय संविधान ने सबको संरक्षित किया है। रिजिजू ने कहा कि भारतीय संविधान न सिर्फ सबसे बड़ा है, बल्कि दुनिया का सबसे खूबसूरत संविधान भी है। उन्होंने कहा कि हमारे शब्दों और कार्यों से भारत की छवि खराब नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि संविधान की भावना के अनुरूप एक आदिवासी महिला हमारे देश की राष्ट्रपति बनीं।

उधर वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा समेत केरल के विपक्षी सांसदों ने शनिवार को वित्तीय मांग को लेकर संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रियंका ने कहा कि सरकार वायनाड को विशेष पैकेज देने से इनकार कर रही है। हमने गृह मंत्री से अनुरोध किया है, हमने पीएम को लिखा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भी इसी तरह बड़े पैमाने पर तबाही देखी गई है और वहां कांग्रेस की सरकार है।

प्राकृतिक आपदाओं के दौरान न हो कोई भेदभाव: प्रियंका

कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने कहा कि वे भारत के नागरिक हैं। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। केरल आपदा के बाद के हालात से निपटने के लिए केंद्र सरकार से मदद मांग रहा है। हालांकि, राज्य को एक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि रक्षा मंत्रालय ने राज्य से हेलीकॉप्टर बचाव कार्यों और अन्य सेवाओं के लिए भुगतान करने को कहा है। इससे पहले बाढ़ से अस्त-व्यस्त हो चुके केरल के वायनाड को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से प्रियंका गांधी ने मुलाकात की थी।

संभल में हिंसा के बाद बिजली पर बवाल

» सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को घेरने की तैयारी!

» मकान पर नोटिस के बाद बिजली विभाग की छापेमारी

» सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के इलाके में हो रही है कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। संभल में बवाल जारी है और अब बिजली चोरी के बड़े आरोप संभल जिले पर लग रहे हैं। आजम खां पहले ही कह चुके हैं कि रामपुर का जो हश्र हो चुका है अब बारी संभल की है। जिला प्रशासन ने संभल में बिजली चोरी रोकने के लिए बड़ा अभियान चलाया है। खुद डीएम और एसपी मोर्चा संभाले हैं।

अभी दो दिन पहले ही बर्क के एक मकान निमार्ण पर रोक लगाई गयी है। इस पूरे प्रकरण पर सांसद के पिता ने चुनौती देते हुए कहा है कि हम उत्पीड़न की कार्रवाई से न तो डरने वाले हैं और न ही दबने वाले। निमार्णधीन मकान से सांसद कोई मतलब नही हैं।

पहले नोटिस अब बुल्डोजर

सांसद जियाउर्रहमान बर्क के इलाके बिजली चोरी पकड़ने के लिए बुल्डोजर का इस्तेमाल किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से पूरे संभल में हड़कंप मचा हुआ है। सांसद जियाउर्रहमान बर्क के मोहल्ले दीपा सराय, खग्गू सराय, अंजुमन सहित इलाकों में आज सुबह 5 बजे रेड मारी गयी। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई के नेतृत्व में कि गयी कार्रवाई में बिजली चोरी का एक अलग ही मामला सामने आया है।

आजम खां पहले ही चेता चुके हैं

जेल में बंद सपा नेता आजम खां संभल की स्थिति को लेकर पहले ही बयान दर्ज करा चुके हैं। उनका आरोप है कि जिस समय रामपुर पर कार्रवाई हो रही थी यदि उस समय इंडिया गठबंधन ठीक से विरोध दर्ज कराता तो संभल की बारी न आती। आजम के मुताबिक जो रामपुर में हो चुका है वह संभल में हो रहा है।

राहुल को घेरने की एक और कोशिश, लखनऊ में तलब

» कोर्ट का 10 जनवरी को पेश होने का आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। लखनऊ की एक अदालत ने राहुल गांधी को नवंबर 2022 में महाराष्ट्र के अकोला में अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान विनायक दामोदर सावरकर के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित मानहानि के एक मामले में तलब किया है। लखनऊ कोर्ट ने राहुल गांधी को 10 जनवरी 2025 को पेश होने को कहा है।

स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने से संबंधित मामले में लखनऊ की अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने शुक्रवार 13 दिसंबर को राहुल गांधी को 10 जनवरी 2025 को तलब किया है। अदालत ने पाया कि राहुल गांधी के भाषण और बांटे गए पर्चे, जिसमें उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि वीर सावरकर अंग्रेजों के सेवक थे और उनसे पेंशन लेते थे, समाज में नफरत और दुर्भावना फैलाते हैं। राहुल गांधी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए और 505 के तहत आरोप हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ याचिका में क्या कहा गया है?

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा ने अधिवक्ता नृपेंद्र पांडे द्वारा दायर एक शिकायत पर यह आदेश जारी किया, जिसमें राहुल गांधी पर 17 नवंबर, 2022 को महाराष्ट्र के अकोला में एक संवाददाता सम्मेलन में वीर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था।

अधिवक्ता नृपेंद्र पांडे ने किया है परिवाद दायर

अधिवक्ता नृपेंद्र पांडे ने परिवाद दायर कर आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने नफरत फैलाने की नीयत से वीर सावरकर को ब्रिटिश सेवक और पेंशन लाभार्थी कहा था। याचिका में कहा गया है कि, राष्ट्रवादी विचारधारा के महान नेता दामोदर आजादी के इतिहास में एक निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने भारत माता को उनकी गुलामी से मुक्त कराने के लिए अंग्रेजों के अमानवीय अत्याचारों को सहन किया और राहुल गांधी ने सावरकर जी के प्रति हीन भावना फैलाने के लिए अभद्र शब्दों का प्रयोग कर उनका अपमान किया और घृणास्पद बातें कहीं। अधिवक्ता नृपेंद्र पांडे ने आरोप लगाया कि, राहुल गांधी ने समाज में वैमनस्य और नफरत फैलाने के इरादे से यह बयान दिया था। अधिवक्ता नृपेंद्र पांडे ने कहा,इसके साथ ही, प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल पत्रकारों के बीच पहले से तैयार प्रेस नोट भी बांटे गए। इससे साबित होता है कि वीर सावरकर को बदनाम करना एक सुनियोजित कृत्य था।

संवैधानिक संस्थाओं को अब किया जा रहा कमजोर: गहलोत

» राजनाथ सिंह पर कांग्रेस नेता ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणियों पर निशाना साधते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार के दौरान संविधान के तहत गठित सभी संस्थानों को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज हम क्यों कह रहे हैं कि लोकतंत्र ख़तरे में है? संविधान के तहत बनी संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है, यह खतरा है। गहलोत ने आगे आरोप लगाया कि संविधान पर खतरा मंडरा रहा है और सरकार द्वारा बिना किसी बहस के पारित किए जा रहे विधेयकों से अविश्वास की स्थिति पैदा हो गई है।

गहलोत ने आगे कहा कि कई सरकारें बदलीं। बदलाव और संवैधानिक संशोधन होते रहे हैं लेकिन संविधान पर मंडराते खतरे को लेकर फर्क है। आज संविधान बचाओ दिवस मनाया जा रहा है तो फिर ऐसी स्थिति क्यों पैदा हुई? उन्होंने कहा कि संविधान संशोधन के समय कुछ ऐसी प्रक्रियाएं अपनाई गई होंगी। कई बार मामलों पर बहस करनी पड़ती है लेकिन इस सरकार द्वारा शॉर्टकट तरीके से बिल पास करने से लोगों में अविश्वास की स्थिति पैदा हो गई है। इससे पहले शुक्रवार को लोकसभा में संविधान पर चर्चा की शुरुआत राजनाथ सिंह ने की. उन्होंने भारत के संविधान के निर्माण को हाइजैक करने के प्रयास के लिए पार्टी की आलोचना करते हुए कांग्रेस पर परोक्ष हमला बोला। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि देश का संविधान भारत के मूल्यों पर चलने वाले लोगों द्वारा बनाया गया था और एक विशेष पार्टी द्वारा इसे हाइजैक करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि संविधान-निर्माण के कार्य को हमेशा एक विशेष दल द्वारा हाईजैक करने का प्रयास किया जाता रहा है। हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं है। इसे भारत के लोगों द्वारा इस विविध राष्ट्र के मूल्यों और आकांक्षाओं को मूर्त रूप देते हुए बनाया गया था।

संविधान के भक्षक कभी रक्षक नहीं बन सकते: ललन सिंह

**केंद्रीय मंत्री और जदयू सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने पिछली कांग्रेस सरकारों पर अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करके विपक्ष के नेतृत्व वाले राज्यों को गिराने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी को संविधान के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल जवाहरलाल नेहरू के शासनकाल में सात बार, इंदिरा गांधी के शासनकाल में 51 बार, राजीव गांधी के शासनकाल में छह बार, नरसिम्हा राव के शासनकाल में 11 बार और मनमोहन सिंह के शासनकाल में 12 बार किया गया था। सिंह ने कहा कि संविधान का अपमान करने वाले इसके रक्षक नहीं हो सकते, जैसा कि वे पुस्तक की एक प्रति के साथ घूमकर चित्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक पीएम मोदी सत्ता में हैं तब तक कोई भी संविधान से छेड़छाड़ नहीं कर सकता। प्रियंका गांधी वाद्रा द्वारा की गई जाति जनगणना की मांग के बारे में सिंह ने कहा कि जब मुंबई में इंडिया ब्लॉक की बैठक में यह प्रस्ताव रखा गया कि एक प्रस्ताव पारित किया जाए, तो राहुल गांधी चुप रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को लगता है कि उसका जन्म शासन करने के लिए हुआ है, लेकिन लोगों ने पिछले 15 वर्षों से इसे विपक्ष तक ही सीमित कर दिया है। सिंह ने कहा कि मोदी चौथी बार भी पीएम बनेंगे, लेकिन कांग्रेस खत्म हो जाएगी। ललन सिंह ने कहा कि विपक्ष ने हमेशा रात के अंधेरे में संविधान की धज्जियां उड़ाई, संविधान को तार-तार किया, आधी रात को आपातकाल लगाया गया। और अब विडंबना देखिए, कांग्रेस के सदस्य हाथ में संविधान की प्रतियां लिये घूम रहे हैं। उन्होंने बिहार में एक लोकतांत्रिक सरकार को गलत तरीके से बर्खास्त करने का एक वाकया सुनाते हुए कहा कि इसके लिए तड़के आहूत केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आनन-फानन में फैसला लिया गया तथा राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने संबंधी फैसले पर मॉस्को में बैठे राष्ट्रपति से फैक्स के जरिये मंजूरी ली गयी। उन्होंने कहा कि ऐसा करके बिहार की लोकतांत्रिक सरकार रातोंरात गिरा दी गयी, फिर भी कांग्रेस खुद को संविधान की रक्षक कहती फिर रही है।

आतिशी को माफी मांगनी चाहिए: स्वाति मालीवाल

» संसद हमले की बरसी पर दिल्ली की सीएम को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी पर देश ने अपने वीर बलिदानों को याद कर किया। इस बीच आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल ने सीएम आतिशी पर हमला बोला है। स्वाति ने आरोप लगाया कि आतिशी के माता-पिता ने संसद हमले के दोषी अफजल गुरु को बचाने की कोशिश की थी। आप सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह आरोप लगाया।

स्वाति ने लिखा, आज संसद हमले की 23वीं बरसी पर इस हमले में शहीद हुए सभी वीर जवानों और संसद स्टाफ़ को भावपूर्ण श्रद्धांजली अर्पित करती हूं। ये देश कभी उनका बलिदान नहीं भूलेगा। दिल्ली की सीएम आतिशी मार्लेना जी के माता पिता ने इस आतंकी हमले के मास्टरमाइंड अफज़ल गुरु को बचाने के लिए माफ़ी याचिकाएं डाली, राष्ट्रपति को पत्र लिखे, कोर्ट में लंबी लड़ाई लड़ी। आज उन्हें माफ़ी मांगनी चाहिए और खुलकर बोलना चाहिए कि अफज़ल गुरु एक आतंकी था। ये हमला सिर्फ संसद पर नहीं, बल्कि इस देश के लोकतंत्र पर था। आज संसद हमले की 23वीं बरसी पर इस हमले में शहीद हुए सभी वीर जवानों और संसद स्टाफ़ को भावपूर्ण श्रद्धांजली अर्पित करती हूँ। ये देश कभी उनका बलिदान नहीं भूलेगा।

मथुरा पहुंचे सूर्यप्रताप शाही संगठन चुनाव में उम्मीदवारों के नाम पर करेंगे मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के चुनाव उत्सव में मथुरा के पर्यवेक्षक बनाए गए प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही शुक्रवार देर रात मथुरा पहुंचे। उन्होंने पदाधिकारियों के साथ बैठक कर देर रात उम्मीदवारों के नाम पर मंथन किया। साथ ही आगे की दिशा तय की।

सदस्यता अभियान के बाद अब भाजपा में संगठन के लिए चुनाव प्रक्रिया जारी है। पहले चरण में बूथ अध्यक्षों का चुनाव हो चुका है। अब 15 दिसंबर तक मंडल अध्यक्षों का चुनाव होना है। दिसंबर के आखिर तक जिलाध्यक्ष व महानगर अध्यक्ष का भी चयन किया जाएगा। ऐसे में पार्टी ने मथुरा जिला का चुनाव पर्यवेक्षक प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को बनाया है। जानकारी के अनुसार वह उम्मीदवारों के नाम पर मंथन करने के लिए शुक्रवार देर रात मथुरा पहुंचे। इसके बाद उन्होंने वेटरनेरी गेस्ट हाउस में पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

किरेन रीजीजू ने मुझे लोकसभा में खुलेआम धमकाया: महुआ मोइत्रा

» लोकसभा में मंत्री की टिप्पणी पर टीएमसी सांसद ने लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोइत्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, किरेन रीजीजू ने संसदीय नियमों और प्रक्रिया का पूरी तरह उल्लंघन करते हुए लोकसभा में मुझे खुलेआम धमकाया। उन्होंने कहा, 'लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वह रीजीजू के शब्दों को हटवा देंगे, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

मोइत्रा ने कहा, इस निरंतर लैंगिक उत्पीड़न और धमकी के खिलाफ अंतर-संसदीय संघ को पत्र लिखा है। लोकसभा में आज मोइत्रा की कुछ टिप्पणियों पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बार कुछ देर के लिए स्थगित करनी पड़ी। मोइत्रा ने न्यायमूर्ति बी एच लोया की मृत्यु 'समय से बहुत पहले' होने की बात कही जिस पर सदन में हंगामा हुआ और केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने उन्हें 'उचित संसदीय कार्रवाई' की चेतावनी दी। मोइत्रा ने सदन में 'संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा' में भाग लेते हुए केंद्र सरकार पर संविधान को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

इंडिया गठबंधन का बिखराव, भाजपा को सियासी छावं!

आपसी रार से कांग्रेस से ज्यादा क्षेत्रीय दलों को होगा नुकसान

क्षेत्रीय क्षत्रपों का दायरा उनके राज्य तक ही सीमित

» राहुल-प्रियंका को पूरे देश से समर्थन

» भाजपा को रोकने में कांग्रेस ही कारगर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव अपनी एकजुट ताकत से बीजेपी को बहुमत के दरवाजे से बाहर पटकने वाली इंडिया गठबंधन छह महीने के बाद बिखरती नजर आने लगी है। पहले टीएमसी की अध्यक्ष व ममता बनर्जी द्वारा एलायंस की कमान संभालने की इच्छा व्यक्त करने के बाद उनके समर्थन में राजद सुप्रीमो व बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव व एनसीपी शरद पवार गुट व महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद चंद्र पवार उतर आए। उसके बाद तो कई नेताओं ने जहां ममता के साथ अपने को खड़ा कर लिया तो कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पर दबी जुबान से हमला बोल दिया।

बता दें कि तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद तुरंत कहा था कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को अपने अहंकार को अलग रखना चाहिए और ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में मान्यता देनी चाहिए। हालांकि रणनीतिकारों का कहना है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में नेतृत्व के सवाल पर जो मौजूदा शोर मचा है और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व पर जो सवाल उठाए जा रहे हैं, उससे न तो तृणमूल कांग्रेस नेत्री व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी या राजनीतिक भला होने वाला है और न ही उनकी सुर में सुर मिलाने वाले एनसीपी शरद पवार के शरद पवार-सुप्रिया सुले, शिवसेना यूबीटी के उद्धव ठाकरे-आदित्य ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव-रामगोपाल यादव या आप पार्टी के अरविंद केजरीवाल आदि जैसे नेताओं का। हां, इससे कांग्रेस आई की उस सियासी साख को धक्का अवश्य लगेगा, जो कि बमुश्किल उसने राहुल गांधी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव 2024 के बाद हासिल कर पाई है।

लोस व उपचुनावों में टीएमसी ने दी भाजपा को मात

वहीं, दूसरी ओर हाल ही में हुए उपचुनावों में भाजपा को हराकर टीएमसी की जीत ने पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रभुत्व को मजबूत किया है, जबकि विपक्षी अभियान आरजी कर मेडिकल कॉलेज विरोध जैसे विवादों पर केंद्रित थे। सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे, उसके सहयोगी सीपीआई (एमएल) लिबरेशन और कांग्रेस, जो इंडिया ब्लॉक में राष्ट्रीय स्तर पर टीएमसी के सहयोगी हैं, सभी को बड़ी असफलताओं का सामना करना पड़ा और उनके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। जबकि कांग्रेस इंडिया ब्लॉक की सबसे बड़ी पार्टी है, जिसे अक्सर गठबंधन का वास्तविक नेता माना जाता है। यही वजह है कि टीएमसी ने लगातार ममता बनर्जी को गठबंधन की बागडोर संभालने की वकालत की है।

राहुल की पहचान राष्ट्रीय नेता रूप में

यह ठीक है कि तृणमूल कांग्रेस नेत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में लगातार भाजपा को सियासी चोट पहुंचा रही है और सदैव उस पर भारी प्रतीत हो रही है, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि वह राष्ट्रीय नेत्री बन गई और उनका चेहरा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चेहरे से ज्यादा सर्वस्वीकार्य हो गया, वो भी अखिल भारतीय स्तर पर? चाहे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) शरद पवार के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार हों या उनकी सियासी वारिस सांसद सुप्रिया सुले, शिवसेना यूबीटी के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे हों या उनके राजनीतिक वारिस आदित्य ठाकरे, समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हों या राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव या आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हों या उन जैसे इंडिया गठबंधन के कोई अन्य नेतागण, किसी का चेहरा राष्ट्रीय स्तर पर उतना सर्वस्वीकार्य नहीं हो सकता है जितना कि राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी, लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी या लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का है। इसलिए समकालीन बयानबाजी से इंडिया गठबंधन और उसमें शामिल सभी दलों को ही क्षति होगी, यह उन्हें समझना होगा।

हार के बाद रार ,गठबंधन में बढ़ा रही दरार

राजनीतिक मामलों के जानकारों का स्पष्ट कहना है कि कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी के लिए हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा की हार जरूर मायने रखती है, क्योंकि यह जीती हुई बाजी हारने के जैसा है। लेकिन सिर्फ इसको लेकर ही इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस से छीन लेना कोई राजनीतिक बुद्धिमानी का काम प्रतीत नहीं होता है। शायद कांग्रेस भी इसे नहीं मानेगी और किसी भी राष्ट्रीय दल को क्षेत्रीय दलों के सामने घुटने भी नहीं टेकने चाहिए, यदि सत्ता प्राप्ति के लिए संख्या बल का खेल नहीं हो तो! बीजेपी भी यही करती है और अपने गठबंधन सहयोगियों को उनकी वाजिब औकात में रखती है। तीसरे-चौथे मोर्चे की विफलता के पीछे भी तो अनुशासनहीनता या अतिशय महत्वाकांक्षा का खेल ही तो था, जिसे बहुधा राजनीतिक रोग समझा जाता है।

तीसरे मोर्चे को मिल सकती है हवा

बता दें कि बीजेपी का मुकाबला करने के लिए गठित इंडिया (ढ्ढहृष्ठढ्ढ) ब्लॉक में दो दर्जन से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं। हालांकि, आंतरिक मतभेदों और आपसी तालमेल की कमी की वजह से इसकी कई बार आलोचना भी होती रही है। इसी वजह से इसके प्रमुख सूत्रधार रहे जदयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपना पाला बदल लिया और भाजपा के खेमे में चले गए। वो भी इंडिया गठबंधन के संयोजक का पद पाना चाहते थे, जो लालू प्रसाद के परोक्ष विरोध के चलते सम्भव नहीं हो पाया। ऐसे में संभव है कि ममता भी एकबार फिर से तीसरे मोर्चे को मजबूत करने की पहल करें और नीतीश की तरह ही इंडिया गठबंधन को टा-टा, बाय-बाय कर दें।

उठापटक और वैचारिक अंतर्विरोधों को भांपकर निकले थे नीतीश

केसी त्यागी। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी मोर्चे आईएनडीआईए में मची उठापटक और वैचारिक अंतर्विरोधों को भांपकर ही शायद नीतीश कुमार ने उससे किनारा किया था। यह एक तथ्य है कि नीतीश कुमार ही आईएनडीआईए के निर्माता-निर्देशक थे। उन्होंने इस गठजोड़ की पहल हिसार में 25 सितंबर 2022 को की थी। हिसार में चौधरी देवीलाल की जन्म-जयंती के अवसर पर नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव, फारूक अब्दुल्ला, शरद पवार, सीताराम येचुरी, डी. राजा और ओमप्रकाश चौटाला आदि उपस्थित थे। उस समय विपक्षी दलों की दशा-दिशा कमोबेश वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों से मेल खाती थी। टीएमसी, सपा, आम आदमी पार्टी समेत कई दल कांग्रेस के साथ मंच साझा करने को तैयार नहीं थे। नीतीश कुमार का कांग्रेस के साथ काम करने का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन व्यापक एकता के लिए वह कांग्रेस को आवश्यक मानते थे। उन्होंने कांग्रेस के बिना किसी व्यावहारिक विकल्प को नकार कर उसकी स्वीकार्यता पर जोर दिया। उन्होंने लालू प्रसाद के साथ सोनिया और राहुल गांधी से भेंट कर अपनी मुहिम को अंजाम तक पहुंचाया।जब छह महीने गुजरने के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व रहस्यमय चुप्पी साधे रहा तो अंततः नीतीश कुमार ने पटना में जून 2023 को गठबंधन का पहला सफल आयोजन किया और कांग्रेस के प्रति बरती जा रही राजनीतिक अस्पृश्यता को तोड़ने का काम किया। तब अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी और अखिलेश यादव के साथ मंच पर सोनिया एवं राहुल गांधी भी उपस्थित रहे। पटना में प्रधानमंत्री पद के लिए किसी पार्टी के नेता को मनोनीत करने के बजाय सामूहिक नेतृत्व में कार्य किए जाने का भी प्रस्ताव पारित किया गया।

तीसरे या चौथे मोर्चे में शामिल रहे क्षेत्रीय दलों की साख अच्छी नहीं

वैसे भी भारतीय मतदाताओं के बीच कांग्रेस नीत यूपीए गठबंधन, राजद-सपा-झामुमो नीत महागठबंधन, शिवसेना यूबीटी-एनसीपी शरद पवार नीत महाविकास अघाड़ी के अलावा तीसरे या चौथे मोर्चे में शामिल रहे क्षेत्रीय दलों की साख अच्छी नहीं है। जनता पार्टी, जनता दल और संयुक्त मोर्चे की कई गठबंधन सरकारों को असमय गिराने का आरोप जहां कांग्रेस पर लगता आया है, वहीं तीसरे मोर्चे और चौथे मोर्चे के बारे में तो राजनीतिक अवधारणा यही है कि इन्हें केंद्र में सरकार चलाना ही नहीं आता और इसमें शामिल दल भले ही अपने-अपने राज्यों में सफल रहे हों, लेकिन सुशासन स्थापित करने और भ्रष्टाचार रोकने में अकसर विफल रहे हैं, जिससे ब्रेक के बाद मतदाता इन्हें खारिज कर देते हैं। इनकी इसी कमजोरी का राजनीतिक फायदा भाजपा को मिला, जबकि ये लोग उसे राजनीतिक अछूत तक करार दे चुके हैं। बता दें कि 1990 के दशक में कोई भी दल पहले भाजपा से गठबंधन करने से सिर्फ इसलिए डरता था कि कहीं उसका मुस्लिम वोट छिटक न जाए। लेकिन अपने राष्ट्रवादी और हिंदुत्व के अग्रगामी विचारों के साथ-साथ बीजेपी ने सुशासन, विकास और गठबंधन सरकार चलाने की योग्यता को साबित करके भारतीय मतदाताओं का दिल एक नहीं, बल्कि कई बार जीत लिया और कांग्रेस के अधिकांश पुराने सियासी रिकॉर्ड को मोदी 3.0 सरकार ने ध्वस्त कर दिया है, जिसके बाद उसकी लोकप्रियता एक बार फिर से उफान पर है।

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने दोहरी जिम्मेदारी संभालने की बात कही

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने यहां तक कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए भी विपक्षी मोर्चे को चलाने की दोहरी जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। ममता बनर्जी ने कहा, मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, अब मोर्चा का नेतृत्व करने वालों पर इसका प्रबंधन करने की जिम्मेदारी है। अगर वे इसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा। वहीं, यह पूछे जाने पर कि एक मजबूत भाजपा विरोधी ताकत के रूप में अपनी साख के बावजूद वह इंडिया ब्लॉक की कमान क्यों नहीं संभाल रही हैं? तो इस पर बनर्जी ने कहा, अगर मौका मिला तो मैं इसके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करूंगी। उन्होंने कहा, मैं बंगाल से बाहर नहीं जाना चाहती, लेकिन मैं इसे यहीं से चला सकती हूं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

संविधान की मूलभावना का सम्मान बढ़ाने वाला फैसला

धर्मस्थलों के सर्वे पर रोक लगाकर आखिरकार सुप्रीमकोर्ट ने संविधान की मूलभावना का सम्मान किया है। सविंधान के प्रस्तावना में देश को एक धर्मनिरपेक्ष स्वरूप वाला बताया गया है। जिसमें सभी धर्मों के लोगों अपनी पूजा पद्धति अपनाने की छूट दी गई है। इसी के तहत 91 में वरशिप एक्ट लाया गया था जिसमें ये प्रावधान था कि देश में जो भी धार्मिक स्थल 1947 में जिस स्वरूप में थे उसी स्वरुप में रहेंगे उन्हें बदला नहीं जाएगा। हालांकि अयोध्या, काशी व मथुरा के मामले इससे दूर थे। कुल मिला कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से देश में कुछ सालों से एकता का तानाबाना टूट रहा था उसको बचाने में काफी मदद मिलेगी। सत्ता की लालच में कुछ सियासी दल ये भी नहीं सोचते की इस तरह के विवादों को हवा देने से देश का ही नुकसान होता है। इससे लोगों के बीच आपसी वैमनस्यता फैलती है जो समाज को बिखराव की ओर ले जाती है जो देश के किसी भी वर्ग के लिए उचित नहीं हैं। शीर्ष अदालत ने फैसले में कहा है कि धर्मस्थलों से जड़ा कोई नया मुकदमा दायर नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय बेंच के द्वारा धार्मिक स्थलों के विवाद को लेकर आगे कोई केस नहीं दायर करने और जो धर्म से जुड़े मामले निचली अदालत में चल रहे हैं उसमें कोई फाइनल आदेश नहीं जारी करने का आदेश देकर कानून के जानकारों और बुद्धिजीवियों के बीच एक नई बहस भी छेड़ दी है। इस फैसले को लेकर देश भर में मिलीजुली प्रतिक्रिया आ रही है। कुछ लोग फैसले का स्वागत कर रह हैं हालांकि कुछ लोग विरोध में भी बोल रहें हैं। राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले के पूर्व वादी इकबाल अंसारी का भी बड़ा बयान सामने आया है, इकबाल अंसारी ने कहा कि ये हमारे देश का सवाल है और ऐसे में हमारे देश का भला होना चाहिए, साथ में सबका साथ सबका विकास होना चाहिए। इकबाल अंसारी ने कहा, देश के सभी न्यायाधीश अपने कर्तव्यों के प्रति वफादार हैं और जो भी निर्णय वे लेते हैं, वह कानूनी दायरे में करते हैं, इसलिए मैं उनका शुक्रिया अदा करता हूं उन्होंने कहा, अगर उनका नाम न्यायमूर्ति है तो वे न्याय भी करते हैं, हमारे देश में चाहे हिंदू हो या मुसलमान सभी धर्मों का एक पूजा स्थल होते हैं और उन सभी का धर्मों का सम्मान होना चाहिए और देश में एकता बरकरार रहनी चाहिए। पर विरोध में बोलने वालों को भी सोचना चाहिए कि इस तरह से हर एक धार्मिक स्थल को लेकर सवाल उठाते रहेंगे तो ऐसे में पूरे देश ये ही मामले अदालतों में पट जाएंगे तब अन्य केसों को कौन सुनेगा। इसलिए देश के हर वर्ग को इस फैसले का स्वागत करना चाहिए। वंही वर्तमान सरकार को चूकि सुप्रीम कोर्ट ने चार सप्ताह में जवाब देने को कहा है इसलिए उसकी जिम्मेदारी ज्यादा है उसको ध्यान देना चाहिए कि देश शांति व सौहद बने रहे।

“ कुल मिला कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से देश में कुछ सालों से एकता का तानाबाना टूट रहा था उसको बचाने में काफी मदद मिलेगी। सत्ता की लालच में कुछ सियासी दल ये भी नहीं सोचते की इस तरह के विवादों को हवा देने से देश का ही नुकसान होता है। इससे लोगों के बीच आपसी वैमनस्यता फैलती है जो समाज को बिखराव की ओर ले जाती है जो देश के किसी भी वर्ग के लिए उचित नहीं हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हवा से आक्सीजन के अलावा भी मिलते हैं पोषक तत्व

मुकुल व्यास

ताजी हवा सेहत के लिए फायदेमंद है, यह कोई नई बात नहीं है। हजारों सालों से विभिन्न संस्कृतियों ने प्रकृति और ताजी हवा को स्वास्थ्यवर्धक माना है। हरे भरे बगीचों में सैर करते हुए हम एक नई ताजगी महसूस करते हैं। ताजी हवा में हमारे लिए बहुत कुछ होता है। हम इसके लाभों से पूरी तरह से अवगत नहीं हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि मनुष्य हवा से भी कुछ पोषक तत्व ग्रहण कर सकता है और वैज्ञानिकों ने इस बारे में पुख्ता सबूत भी जुटाए हैं। सांस के जरिए लिए जाने वाले पोषक तत्व एयरोन्यूट्रिएंट्स (हवाई पोषक तत्व) कहलाते हैं जबकि आंतों द्वारा अवशोषित किए जाने वाले तत्वों को गैस्ट्रोन्यूट्रिएंट्स कहा जाता है। एडवांस इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक नए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने लिखा है कि सांस के जरिए हमारे आहार में जिंक, मैगनीज और आयोडीन जैसे जरूरी पोषक तत्वों को शामिल किया जा सकता है। हम प्रतिदिन लगभग 9,000 लीटर हवा अंदर लेते हैं। जीवन काल में 43.8 करोड़ लीटर हवा हमारे शरीर में पहुंचती है।

खाने के विपरीत, सांस लेना कभी बंद नहीं होता। हवा के घटकों के संपर्क में आने की मात्रा समय के साथ बढ़ती जाती है, भले ही उनकी सांद्रता कम हो। अभी तक वायु के स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में अधिकांश शोध प्रदूषण पर केंद्रित रहे हैं। हमारे लिए क्या फायदेमंद हो सकता है, इस पर ध्यान देने के बजाय हमारा फोकस इस बात पर है कि क्या बुरा है। हवाई पोषक का विचार विज्ञान पर आधारित है। उदाहरण के लिए ऑक्सीजन तकनीकी रूप से एक पोषक तत्व है। सभी जानते हैं कि यह रासायनिक पदार्थ शरीर के बुनियादी कार्यों को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। हवाई पोषक तत्व मुख्य रूप से नाक, फेफड़े और गले के पीछे छोटी रक्त वाहिकाओं के नेटवर्क के माध्यम से अवशोषित होकर हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। फेफड़े आंत की तुलना में कहीं अधिक बड़े अणुओं को अवशोषित कर सकते हैं। ये अणु 260 गुना बड़े होते हैं। ये अणु रक्तप्रवाह और मस्तिष्क में अवशोषित होते हैं।

सांस के जरिए ली जाने वाली दवाएं जैसे कोकेन, निकोटीन और एनेस्थेटिक दवाएं कुछ ही सेकंड में शरीर में प्रवेश कर जाती हैं। वे मुंह से ली जाने वाली दवाओं की तुलना में बहुत कम सांद्रता पर प्रभावी होती हैं। इसकी तुलना में आंत एंजाइम और एसिड के साथ

पदार्थों को उनके सबसे छोटे भागों में विभक्त कर देती है। आंत स्टार्च, शर्करा और अमीनो एसिड को ग्रहण करने में बहुत अच्छी है, लेकिन यह कुछ खास प्रकार की दवाओं को लेने में इतनी अच्छी नहीं है। वास्तव में, वैज्ञानिक दवाओं को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हम उन्हें मुंह से प्रभावी ढंग से ले सकें। सांस के जरिए महत्वपूर्ण तत्वों के शरीर में प्रवेश का विचार नया नहीं है। 1960 के दशक के शोध में पाया गया कि हवा में आयोडीन के संपर्क में आने वाले कपड़े धोने वाले कर्मचारियों के रक्त और मूत्र में आयोडीन का स्तर अधिक था। हाल ही में, आयरलैंड के शोधकर्ताओं ने समुद्री शैवाल से समृद्ध तटीय क्षेत्रों के पास रहने वाले स्कूली बच्चों का अध्ययन किया, जहां वायुमंडलीय आयोडीन गैस का स्तर बहुत अधिक था। इन बच्चों के मूत्र में काफी अधिक आयोडीन था और कम समुद्री शैवाल वाले तटीय क्षेत्रों या ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों की तुलना में उनमें आयोडीन की कमी होने की संभावना कम थी। उनके आहार में आयोडीन में कोई अंतर नहीं था। इससे पता चलता है कि हवा में मौजूद आयोडीन विशेष रूप से बहुत अधिक समुद्री शैवाल वाले स्थानों में मौजूद आयोडीन आहार में इस तत्व के पूरक के रूप में काम आ सकती है। यह इसे एक एरोन्यूट्रिएंट बनाता है जिसे हमारा शरीर सांस के माध्यम से अवशोषित कर सकता है। गंध की इंद्रिय और श्वसन प्रणाली में सिलिया (बाल जैसी संरचना) में विशेष रिसेप्टर्स होते हैं जो संभावित एरोन्यूट्रिएंट्स की श्रृंखला से बंध सकते हैं। इनमें कोलीन, विटामिनसी, कैल्शियम, मैगनीज, मैग्नीशियम, आयरन व अमीनो एसिड जैसे पोषक तत्व शामिल हैं।

70 साल पहले प्रकाशित शोध से पता चला कि स्प्रे के रूप में विटामिन बी12 का प्रयोग इस विटामिन की कमी का इलाज कर सकता है। यह उन लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जिनमें बी12 की कमी की दर अधिक है। इनमें शाकाहारी, वृद्ध लोग, डायबिटीज से पीड़ित लोग और अत्यधिक शराब का सेवन करने वाले लोग शामिल हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि मैगनीज और जिंक नाक में गंध को महसूस करने वाली स्नायु कोशिकाओं के माध्यम से मस्तिष्क में प्रवेश कर सकते हैं। मैगनीज एक आवश्यक पोषक तत्व है, लेकिन इसका बहुत अधिक सेवन मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकता है। यह वेल्डर में देखा जाता है, जो हवा से उच्च स्तरों के संपर्क में आते हैं और उनमें मैगनीज का जमाव हानिकारक स्तर पर होता है।

डोनाल्ड ट्रंप के ट्रंप कार्ड काश पटेल

अरुण नैथानी

अमेरिकी सत्ता में रिपब्लिकन हों या डेमोक्रेट, वे भारतीय प्रतिभाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते। भले ही भारतीय मूल की बेटी कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनाव हार गई हों, लेकिन ट्रंप प्रशासन के कई महत्वपूर्ण पदों पर भारतीय वंशजों की नियुक्ति हर भारतीय को गर्व से भर देती है। हालांकि, अमेरिकी शासन अमेरिका फर्स्ट के समर्थकों को ही तरजीह देता है, लेकिन इस मुकाम को हासिल करने में भारतवंशियों ने कड़ी मेहनत और प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करके अपनी जगह बनायी है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद संभालने से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। इनमें हालिया चर्चा अमेरिकी शक्तिशाली खुफिया एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर पद पर भारतीय मूल के काश पटेल की नियुक्ति को लेकर हुई है।

हालांकि, इससे पहले भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी को भी विख्यात उद्योगपति एलन मस्क के साथ महत्वपूर्ण अमेरिकी नियामक संस्था डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएन्सी की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी तरह हिंदू धर्म अपनाने वाली तुलसी गैबार्ड को भी महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है। निस्संदेह, फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के डायरेक्टर पद पर काश पटेल की नियुक्ति भारतीय मेधा का परमच लहराती है। उनकी नियुक्ति करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा भी कि काश उम्दा वकील, कुशल जांचकर्ता और अमेरिका फर्स्ट के प्रबल समर्थक हैं। साथ ही माना कि उन्होंने अमेरिकी हितों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा, न्याय का संरक्षण करते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ कारगर मुहिम चलायी। वे काश को अमेरिकी फर्स्ट मुहिम का प्रतिनिधि चेहरा भी मानते हैं। दरअसल, ट्रंप अपने पहले कार्यकाल के दौरान उनके योगदान को नहीं भूले। जिसमें उनके पिछले चुनाव के दौरान चुनाव अभियान को प्रभावित करने की रूसी कोशिशों की भी जांच की थी। इतना ही नहीं, काश ने अमेरिका की संप्रभुता को चुनौती देने वाले खूंखार आतंकवादियों के खात्मे में भी अहम भूमिका निभायी थी।

दरअसल, काश पटेल न्यायिक व खुफिया अभियानों में योगदान के साथ ही अपने एक स्वयंसेवी संगठन 'काश फाउंडेशन' के जरिये सामाजिक बदलाव के अभियानों में योगदान देने के लिये भी जाने जाते हैं। वे अमेरिकी बच्चों की पढ़ाई के लिये स्कॉलरशिप के जरिये योगदान देते रहे हैं। साथ ही भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाने वाले लोगों की भी मदद करते रहे हैं। साथ सैन्यकर्मियों व कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भी आर्थिक सहायता करते हैं। इतना ही नहीं पिछले चुनाव में ट्रंप की हार के बाद उपजे विवादित कैपिटल हिल प्रकरण के आरोपियों की भी आर्थिक सहायता करते रहे हैं। काश पटेल की मेधा व योगदान के महत्व का पता इस बात से चलता है कि ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने से पहले ही उनकी नियुक्ति की घोषणा कर दी। काश पटेल एक लेखक भी हैं। जीवन यात्रा का उल्लेख उन्होंने अपनी पुस्तक 'गवर्नमेंट गैंगस्टर' में किया। उनकी परवरिश एक मध्यमवर्गीय संस्कारित भारतीय परिवार में हुई। भारत से आए प्रवासी गुजराती परिवार में उनका लालन-पालन क्वींस और लॉन्ग आइलैंड में हुआ। उनके पिता अमेरिकी एविएशन कंपनी में काम करते थे। उन्होंने कालांतर न्यूयॉर्क से कानून की डिग्री हासिल की।

जैसा कि आम भारतीय परिवारों में होता है कि शिक्षा को समृद्ध करना उनकी प्राथमिकता होती है। साथ भारतीय जीवन मूल्यों, संस्कृति व धार्मिक मूल्य को विशेष महत्व दिया जाता है। यही वजह है कि बचपन में भारतीय पर्व-त्योहार, विशिष्टता के विवाह उत्सव और धार्मिक रीतिरिवाज, उनके अवचेतन पर सदैव हावी रहे हैं। काश ने भारतीयता से सदैव खुद को जोड़े रखा। हिंदू होने के नाते वे मंदिर व घर में बनाये गए पूजा स्थल को याद करते हैं। साथ ही घर के शाकाहारी व सात्विक संस्कारों का पालन करते रहे। उन्हें इस बात का मलाल रहा है कि घर में तामसिक भोजन न बनने पर वे जब भी बाहर कुछ खाते तो मां जल्दी ही उनकी चोरी पकड़ लेती थी। उल्लेखनीय है कि अगले वर्ष बीस जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। तब काश पटेल की महत्वपूर्ण भूमिकाओं को विस्तार मिलेगा क्योंकि चवालीस वर्षीय काश की गिनती ट्रंप के विश्वासपात्र लोगों में होती है। अमेरिका में एफबीआई का निदेशक पद खासा महत्व व प्रतिष्ठा वाला पद माना जाता है। दरअसल काश, ट्रंप की पिछली सरकार के दौरान भी रक्षा मंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ, राष्ट्रीय सुरक्षा काउंसिल में राष्ट्रपति के उप सहायक, आतंकवाद निरोधक विभाग के वरिष्ठ निदेशक के पद पर रहते कई राष्ट्रीय सुरक्षा अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। जिसमें अलकायदा से जुड़े कई इनामी आतंकवादियों व आइसिस के मुखिया अल बगदादी के खात्मे जैसे अभियान में शामिल रहे हैं। उनके प्रयासों से कई अमेरिकी बंधकों की सुरक्षित वापसी संभव हो पायी।

इसके अलावा कई खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय बनाने तथा राष्ट्रपति को महत्वपूर्ण सूचनाएं देने का दायित्व भी वे निभा चुके हैं। निश्चित ही ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में पटेल की भूमिका निर्विवाद रूप से महत्वपूर्ण होने वाली है। इतना ही नहीं काश पटेल ने खुफिया मामलों की स्थायी चयन समिति हेतु मुख्य अधिवक्ता के तौर पर भी काम किया। उनकी गिनती सख्त व ईमानदार अधिकारियों के रूप में होती रही है। यही वजह है कि उनकी सेवाएं अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा व संवेदनशील अभियानों में ली जाती रही हैं।

सेहत के लिए वरदान है इचिनेशिया के फूल की पत्तियां

इचिनेशिया कमाल का प्लांट है। यह जितना देखने में खूबसूरत होता है उतना ही यह सेहत के लिए गुणी है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भरे होते हैं जो कई बीमारियों के जोखिम को कम करता है। इस फूल की पत्तियों को दवाई के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।इस पत्तियों से शरीर में जल्दी से एनर्जी का प्रोड्क्शन बढ़ा जाता है। इसे पर्पल कोनफ्लावर भी कहा जाता है। बाजार में इचिनेशिया का पाउडर भी मिलता है। यह लिली कुल का पौधा है। इसमें कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो सेल के ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस को निकाल देता है। इससे डायबिटीज, हार्ट डिजीज और अन्य कई बीमारियों से बचाव होता है। एक तरह से यह पत्तियां सेहत का खजाना होती है।

इंफेक्शन से बचाता

इचिनेशिया में इंफेक्शन से संबंधित बीमारियों से बचाने की क्षमता है। हेल्थलाइन की खबर में कहा गया है कि इचेनेशियया की पत्तियों में फ्लेवेनोएड और विटामिन सी होता है जो इम्यून सिस्टम को बूस्ट करता है। यह बैक्टीरिया और वायरस के कारण होने वाली इंफेक्शन डिजीज को पहले ही रोक देता है। एक अध्ययन के मुताबिक यह गले से संबंधित सांसों के बीमारियों को भी रोक देता है।

मूड को ठीक करता

इचिनेशिया मूड को बूस्ट करने में रामबाण असर करता है। अगर आप इचिनेशिया की चाय पिए तो इससे जल्दी ही आपका मूड ठीक होने लगेगा।अध्ययन के मुताबिक इचिनेशिया में अल्कामाइड्स, रोजमेरिनिक एसिड और कैफिक एसिड मौजूद होता है जो एंग्जाइटी के लक्षण को कम करने में फायदेमंद होता है। यानी अगर ज्यादा तनाव हो, एंग्जाइटी हो तो इचिनेशिया की चाय बहुत फायदा पहुंचा सकती है।

गठिया के दर्द से राहत

इचिनेशिया के प्लांट में एंटी-इंफ्लामेटरी गुण मौजूद होता है जो नेचुरल तरीकों से शरीर में सूजन को कम करता है। कई अध्ययनों में पाया जा चुका है कि इचिनेशिया भारी से भारी सूजन वाली बीमारी को जल्दी हील कर देता है। गठिया में सूजन के कारण ही दर्द होता है, इसलिए गठिया के दर्द में इचिनेशिया बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।

शुगर कम करता

इचिनेशिया डायबिटीज मरीजों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। एक स्टडी के मुताबिक चूहों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि इचिनेशिया से टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों में ब्लड शुगर कम हो गया।एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि इचिनेशिया में जो कंपाउड होता है वह कार्बोहाइड्रैट को पचाने वाले एंजाइम को आगे बढ़ने से रोक देता है। इचिनेशिया इंसुलिन सेंसिटिविटी को भी बढ़ा देता है।

हंसना मना है

जीजा अपनी साली के साथ चैटिंग कर रहा था। जीजा: वाह तुम तो अपनी बहन से भी ज्यादा सुन्दर हो... साली: जीजू आप बड़े वो हो.. जीजा: अच्छा ये तो बताओ तुम इतनी सुंदर कैसे हो? आखिर क्या इस्तेमाल करती हो? साली: फोटोशॉप। जीजा बेहोश!

कारपेंटर: सर, दरवाजा ठीक हो गया लेबर चार्ज 1000 रुपये। इंजीनियर: अरे, 1 घंटे की इतनी फीस तो मेरी भी नहीं है। कारपेंटर: सर, जब मैं इंजीनियर था तो मेरी भी नहीं थी

भिखारी: बाबूजी आप मुझे 150 रुपये देकर मेरी मदद कीजिए मैं अपने परिवार से बिछुड़ गया हूं। मोनू: पहले बताओ तुम्हारा परिवार कहां है? भिखारी: मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रहा है!

पति और पत्नी में झगड़ा हो जाता है तब पत्नी: मैं अपने मायके चली जाऊंगी। पति: अहो भाग्य हमारे! पत्नी: बाद में तुम्हें हैरान करने वाला कोई नहीं होगा। पति: अहो भाग्य हमारे! पत्नी: मैं सुसाइड कर लूंगी। पति: अहो भाग्य हमारे! पत्नी: बाद में मुझे याद कर आंसू बहाओगे। पति: अहो भाग्य हमारे! पत्नी: जाओ सभी बातों में तुम्हारा अच्छा भाग्य है, तो मैं सुसाइड नहीं कर रही!पति: दुर्भाग्य हमारे।

कहानी | अन्तिम इच्छा

विजयनगर के ब्राह्मण बड़े ही लालची थे। वे हमेशा किसी न किसी बहाने राजा से धन वसूल करते थे। राजा की उदारता का अनुचित लाभ उठाना उनका परम कर्तव्य था। एक दिन राजा कृष्णदेव राय ने उनसे कहा, ''मरते समय मेरी मां ने आम खाने की इच्छा व्यक्त की थी जो उस समय पूरी नहीं की जा सकी थी। क्या अब ऐसा कुछ हो सकता है, जिससे उसकी आत्मा को शांति मिले? महाराज, यदि आप एक सौ आठ ब्राह्मणों को सोने का एक-एक आम भेंट कर दें तो आपकी मां की आत्मा को अवश्य शांति मिल जाएगी। ब्राह्मणों को दिया दान मृतात्मा तक अपने आप पहुंच जाता है। ब्राह्मणों ने कहा। राजा कृष्णदेव राय ने सोने के एक सौ आठ आम दान कर दिए। ब्राह्मणों की मौज हो गई उन आमों को पाकर। तेनाली राम को ब्राह्मणों के इस लालच पर बहुत क्रोध आया। वह उन्हें सबक सिखाने की ताक में रहने लगा। जब तेनाली राम की मां की मृत्यु हुई तो एक महीने के बाद उसने ब्राह्मणों को अपने घर आने का न्योता दिया कि वह भी मां की आत्मा की शान्ति के लिए कुछ करना चाहता है। खाने-पीने और बढ़िया माल पाने के लोभ में एक सौ आठ ब्राह्मण तेनाली राम के घर जमा हुए। जब सब आसनों पर बैठ गए तो तेनाली राम ने दरवाजे बन्द कर लिए और अपने नौकरों से कहा, जाओ, लोहे की गरम-गरम सलाखें लेकर आओ और इन ब्राह्मणों के शरीर पर दागो। ब्राह्मणों ने सुना तो उनमें चीख पुकार मच गई। सब उठकर दरवाजों की ओर भागे। लेकिन नौकरों ने उन्हें पकड़ लिया और एक-एक बार सभी को गरम सलाखें दागी गईं। बात राजा तक पहुंची। वह स्वयं आए और ब्राह्मणों को बचाया। क्रोध में उन्होंने पूछा, यह क्या हरकत है, तेनाली राम? तेनाली राम ने उत्तर दिया, महाराज मेरी मां को जोड़ों के दर्द की बीमारी थी। मरते समय उनको बहुत तेज दर्द था। उन्होंने अंतिम समय में यह इच्छा प्रकट की थी कि दर्द के स्थान पर लोहे की गरम सलाखें दागी जाएं ताकि वह दर्द से मुक्ति पाकर चैन से प्राण त्याग सकें। उस समय उनकी यह इच्छा पूरी नहीं की जा सकी। इसीलिए ब्राह्मणों को सलाखें दागनी पड़ीं। राजा हंस पड़े। ब्राह्मणों के सिर शर्म से झुक गए।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

वृषभ

प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

मिथुन

विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

कर्क

समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

सिंह

आज लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

तुला

आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक

जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। प्रमाद से बचें।

धनु

आज स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। व्यापार ठीक चलेगा।

मकर

बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। बेचैनी रहेगी।

कुंभ

कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

मीन

मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

हमारी जिंदगी एक खूबसूरत तोहफा है, इसे हमें सेलिब्रेट करना चाहिए : शिल्पा शेट्ठी

पिछले कुछ दिन शिल्पा शेट्टी की जिंदगी में उतार-चढ़ाव भरे रहे। पति राज कुंद्रा के ऑफिस और घर पर ईडी की छापेमारी हुई थी। अभी तक इस मामले में शिल्पा शेट्टी ने कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है लेकिन वह अपने सोशल मीडिया अकांउट पर ऐसा कुछ ना कुछ पोस्ट करती रहती हैं, जिससे पता चलता है कि वह भी मौजूदा सिचुएशन को लेकर परेशान हैं। हाल ही में उन्होंने एक पोस्ट किया अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर किया है, जिसमें वह किसी खास इंसान को प्यार करने, सेलिब्रेट करने की बात करती दिखीं। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट की, जिसमें वह जाहिर करना चाह रही हैं कि खुद से प्यार करना, खुद को सेलिब्रेट करना कितना जरूरी है। शिल्पा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक बुक का स्क्रीनशॉट लगाया है। इस बुक में लिखा है-'हमें एक अहम बात पर ध्यान देना चाहिए, खुद को सेलिब्रेट करना चाहिए। जब लोग हमें सेलिब्रेट करते हैं, तो अच्छा लगता है, फिर हम खुद को क्यों नहीं सेलिब्रेट करते? हमारी जिंदगी एक खूबसूरत तोहफा है, इसे हमें सेलिब्रेट करना चाहिए।' इस तरह से शिल्पा खुद से प्यार करने की बात करती है, सेल्फ लव की बात करती हैं। शिल्पा शायद सेल्फ लव पर इसलिए बात कर रही हैं, क्योंकि काफी समय से वह परेशान हैं। इसकी वजह एक्ट्रेस के पति राज कुंद्रा पर हुई ईडी की रेड है। एक मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए पोर्नोग्राफी के सर्कुलेशन मामले में राज पर यह रेड की गई। साल 2021 में भी राज के खिलाफ इसी मामले में केस हुआ था। दोबारा से यही मामला चर्चा में आ गया है, इसी मामले में ईडी ने राजकुंद्रा से पूछताछ की थी। राज के खिलाफ समन भी जारी किया गया था।

मर्दानी बनकर फिर लौट रहीं रानी मुखर्जी

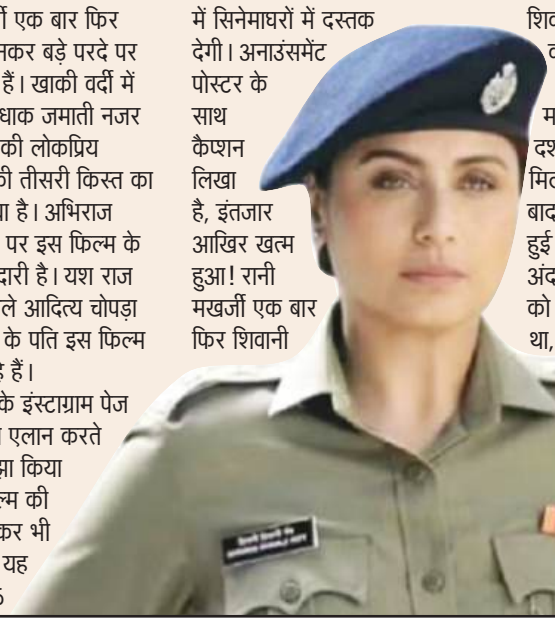

रानी मुखर्जी एक बार फिर मर्दानी बनकर बड़े परदे पर लौट रही हैं। खाकी वर्दी में एक बार फिर वह धाक जमाती नजर आएंगी। अभिनेत्री की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी मर्दानी की तीसरी किस्त का आज एलान हो गया है। अभिराज मीनावाला के कंधों पर इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी है। यश राज फिल्म्स के बैनर तले आदित्य चोपड़ा यानी रानी मुखर्जी के पति इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

यश राज फिल्म्स के इंस्टाग्राम पेज से आज फिल्म का एलान करते हुए एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी हिंट दिया गया है। यह फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अनाउंसमेंट पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, इंतजार आखिर खत्म हुआ! रानी मखर्जी एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में मर्दानी 3 में वापसी कर रही हैं।

मर्दानी बॉलीवुड की सबसे बड़ी महिला आधारित फ्रेंचाइजी है। दर्शकों का इस फिल्म को खूब प्यार मिला। साल 2014 में आई मर्दानी के बाद साल 2019 में मर्दानी 2 रिलीज हुई। दोनों फिल्मों में रानी मुखर्जी का अंदाज दर्शकों को पसंद आया। फैंस को इसकी तीसरी किस्त का इंतजार था, जो आज पूरा हुआ। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म मर्दानी ने बॉक्स ऑफिस पर 35.82 करोड़ रुपये का लाइफ टाइम कलेक्शन किया था। वहीं, मर्दानी 2 ने 47.57 करोड़ रुपये कमाए थे। अब तीसरी फिल्म का एलान होने पर रानी मुखर्जी के फैंस खुशी जता रहे हैं। इसके अलावा कुछ यूजर्स आदित्य चोपड़ा से टाइगर वर्सेज पठान पर भी अपडेट मांग रहे हैं।

फिल्म मर्दानी 3 के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है। रानी मुखर्जी को पिछली बार फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में नजर आई। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म खास प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन रानी की अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

कुली की शूटिंग शुरू, रजनीकांत और श्रुति हासन के साथ काम करेंगे आमिर खान

श्रुति हासन और बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'कुली' की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। फिल्म की शूटिंग के लिए श्रुति और आमिर पिंक सिटी जयपुर में हैं। शानदार सितारों से सजी कुली में तमिल सिनेमा के दिग्गज रजनीकांत लीड रोल में दिखेंगे। फिल्म अपनी अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियों में है।

इस प्रोजेक्ट के माध्यम से श्रुति हासन और आमिर खान पहली बार पर्दे पर साथ काम करते नजर आएंगे। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री देखने के लिए फैंस के बीच काफी उत्साह है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रुति हासन ने गुरुवार को जयपुर में आमिर खान के साथ शूटिंग शुरू कर दी। फिल्म की शूटिंग विजाग और चेन्नई के साथ ही देश के अन्य हिस्सों में भी की गई है।

कुली के कुछ हिस्सों की शूटिंग कर चुकी श्रुति इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद खुश और एक्साइटेड हैं। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं। कनगराज 'विक्रम', 'कैथी' और 'लियो' जैसी शानदार और सुपरहिट फिल्मों को डायरेक्ट कर चुके हैं।

जानकारी के अनुसार 'कुली' की टीम फिलहाल जयपुर में 10 दिनों तक शूटिंग करेगी, जिसमें फिल्म के महत्वपूर्ण सीन को शूट किया जाएगा। 'कुली' में रजनीकांत, श्रुति हासन और आमिर खान के साथ नागार्जुन, उपेंद्र, सौबिन शाहिर, सत्यराज, रेबा मोनिका जॉन समेत अन्य सितारे नजर आएंगे।

अजब-गजब | इस प्रदेश में है अनोखी परंपरा!

शादी के बाद जेठ ने छोटी बहू को गलती से भी छुआ...तो दोनों को मिलती है घिनौनी सजा

भागलपुर। बिहार में शादी में अलग जगहों पर अलग-अलग रस्म निभाई जाती है। यहां पर कई ऐसी परंपरा हैं जो सिर्फ बिहार में ही निभाई जाती हैं। उसी में से एक परम्परा हैं यहां जेठ व छोटी बहू को लेकर। विवाह का पवित्र बंधन में जेठ का एक अलग ही महत्व है। शादी में बिना इनके बहू की विदाई नहीं हो सकती है। लेकिन इसमें एक ऐसी रीत भी है जिसे सुनकर आपकी हंसी नहीं रुकेगी।

आपको बता दें कि बिहार की शादी में घूंघट एक रस्म होता है, जिसके बाद लड़की की विदाई होती है। इसको लेकर भागलपुर की रीना कुमारी ने बताया कि घूंघट रस्म में जेठ की अहम भूमिका है। सिर्फ शादी के दिन ही जेठ छूते हैं उसके बाद छूने पर बहू अशुद्ध हो जाती है, जिसके बाद जेठ और बहू को गोबर और बालू खाना पड़ता है।

दरअसल, आपको बता दें कि जेठ को अगर कोई चीज देना भी हो तो दूर से ही दे देते हैं। जब ये नजारा आप देखेंगे तो आप अपनी हंसी तक नहीं रोक पाएंगे। सुबह की चाय तक दूर से ही देना पड़ता है। उनके सामने घूंघट तक नहीं उतर पाता है। वहीं अगर गलती से भी जेठ से सट गए तो जेठ और बहू दोनों को गोबर और बालू खाना पड़ता है। उसके बाद ही दोनों शुद्ध होते हैं। आपको बता दें कि जेठ अगर घूंघट नहीं देंगे तो बहू अपनी घर तक नहीं आ पाएंगे। जेठ चादर को बहू के सिर पर डालते हैं पांच बार आगे पीछे करते हैं उसके बाद घूंघट हो जाता है।

ऐसा कहा जाता है कि जेठ से पर्दा इसलिए बहू करती हैं क्योंकि यह एक सम्मान है। लेकिन अब कई जगहों पर ये पर्दा खत्म होता भी नजर आता है। अभी की बहू पारंपरिक चीजों से परे होती नजर आती है। अब जेठ को भैया कहकर सामने भी जाती हैं लेकिन अब भी गांवों में पुरानी परंपरा कायम है।

दुनिया का सबसे खतरनाक पिज्जा पकता है सीधा ज्वालामुखी पर

खाने-पीने के शौकीन लोगों को एक से बढ़कर एक ऐसी जगहों के बारे में पता होता है, जहां पेट और मन भर देने वाला खाना मिल जाए। उन्हें ऐसे सैकड़ों ठिकाने पता होते हैं, जो बड़े ब्रांड नेम से इतर भी टेस्टी फूड सर्व करते हैं। हालांकि कुछ लोगों को स्वाद से ज्यादा शौक होता है एडवेंचरस जगहों पर खाना खाने का। अगर आप भी ऐसा चाहते हैं तो ग्वाटेमाला का रुख कीजिए। यहां पर मारियो डेविड ग्रासिया नाम के एक शेफ लोगों को सीधा ज्वालामुखी पर पिज्ज़ा पकाकर खिला रहे हैं। उनका कहना है कि उन्होंने कई चीज़ें बेचीं लेकिन उन्हें इसी में उन्हें कामयाबी हासिल हुई। कहते हैं न कुछ लोग आपदा के बीच भी अवसर तलाश ही लेते हैं। उन्हें अच्छी तरह पता होता है कि पैसे कहां और कैसे निकलवाने हैं। फिर वो चाहे बारिश के बीच ज्यादा दाम पर जरूरी चीजें बेचना हो, पहाड़ों की ऊंचाई पर ओवरप्राइस्ड मैगी खिलानी हो या फिर ज्वालामुखी के धधकते लावा में पिज्जा पकाना हो। चलिए आपको बताते हैं दुनिया के सबसे खतरनाक पिज्ज़ा के बारे में। इस पिज्जा को खतरनाक इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये किसी ओवन में नहीं बल्कि सीधा ज्वालामुखी की आंच और राख के बीच पकाया जाता है। ज्वालामुखी की गर्म राख में इस पिज्जा को रखकर तैयार किया जाता है। ऐसे में इसमें स्वाद के साथ-साथ जहरीली गैस और वहां की खराब एयर क्वालिटी भी मिलती है। ज्वालामुखी सल्फर डाई ऑक्साइड की मात्रा यहां अच्छी खासी होती है। ज्वालामुखी के फटने की वजह से इस पूरे माहौल में ये गैस रहती है, जो यहां की एयर क्वालिटी खराब करती है। बावजूद इसके लोग यहां पर आकर पिज्ज़ा खाते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन ज्वालामुखी के किनारे बैठकर इस पर ही बना हुआ पिज्ज़ा खाना ग्वाटेमाला टूरिज्म का अहम हिस्सा है। लोग एक्टिव वॉल्कैनो के बीच बैठकर यहीं पका हुआ पिज्ज़ा खाते हैं। इस एक्टिव वॉल्कैनो का नाम Pacaya है, जो सबसे पहले मई, 2021 में फूटा था। ये ग्वाटेमाला के तीन एक्टिव वॉल्कैनो में से एक है, जो 2500 मीटर ऊंचा है और इसके एक हिस्से पर पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है, जो पिज्जा बनवाकर खा रहे होते हैं।

केंद्र की नीति से बागवान परेशान : प्रियंका गांधी

» बोलीं- एक ही उद्योगपति को दे डाला कोल्ड स्टोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा में अपने पहले भाषण में हिमाचल के हितों की पैरवी की। प्रियंका गांधी ने कहा कि अडानी को कोल्ड स्टोर देने से हिमाचल के बागवान रो रहे हैं। केंद्र सरकार पर कथित तौर पर एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने का उन्होंने आरोप लगाया। प्रियंका ने कहा कि एक व्यक्ति के लिए सब कुछ बदला जा रहा है। आज की सरकार ने सारे कोल्ड स्टोरेज अडानी को दे दिए हैं। एक व्यक्ति को फायदा पहुंचाया जा रहा है और 142 करोड़ भारतीयों की अनदेखी की जा रही है।

रेलवे, एयरपोर्ट समेत सारे कारोबार एक व्यक्ति को दिए जा रहे हैं। केंद्र सरकार राजनीतिक न्याय की बात करती है, लेकिन पैसे के बल पर सरकारें गिराते हैं। महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश का इसके लिए उन्होंने उदाहरण दिया। उद्योगपति गौतम अडानी का स्पष्ट संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि देश देख रहा है कि कैसे एक व्यक्ति को बचाने के लिए देश के लोगों की अनदेखी की जा रही है। सारे कारोबार, सारे संसाधन, सारी संपत्ति, सारे अवसर एक व्यक्ति को सौंपे जा रहे हैं। उधर, प्रियंका गांधी के संसद भवन में दिए गए भाषण के अंश सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के नेता इसको लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। भाजपा नेताओं ने कहा कि लोकसभा में प्रियंका ने अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में पिछले दो सालों से कांग्रेस की सरकार जो भी कानून बना रही है, वह बड़े-बड़े लोगों के लिए बना रही है और किसानों और बागवानों की अनदेखी हो रही है। उधर, कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रियंका ने केंद्र सरकार की ओर से बनाए गए कानूनों का हवाला दिया है। भाजपा नेता जानबूझ कर जनता को गुमराह करने में लगे हैं।

प्रियंका ने अपनी ही सरकार को कटघरे में किया खड़ा : कश्यप

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने कहा है कि शुक्रवार लोकसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी ने अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पिछले दो साल से कांग्रेस की सरकार जो भी कानून बना रही है वह बड़े-बड़े लोगों के लिए बना रही है। किसानों और बागवान, छोटे किसानों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा की प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार पूरी तरह फेल हो गई है।

शरद पवार की पार्टी में फूट डालने की कोशिश : राउत

» बोले- राकांपा नेताओं को भाजपा ने सौंपा काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना नेता संजय राउत ने दावा किया कि भाजपा ने राकांपा के नेता प्रफुल्ल पटेल और अजित पवार को शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को तोड़ने का काम सौंपा है। राउत ने कहा कि शरद पवार 84 साल की उम्र में भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उनकी पार्टी में फूट डालने की कोशिश की जा रही है। राउत ने कहा कि विपक्षी पार्टी से नाता तोड़ने वाले व्यक्ति को अपने कृत्य पर शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार में मंत्री बनने के लिये राजग के सहयोगी दल के पास छह सांसद होने चाहिये, इसलिये राकांपा को मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिला है।

राउत ने दावा किया, भाजपा ने प्रफुल्ल और अजित पवार को राकांपा के पांच सांसदों को अपने पक्ष में करने के लिए कहा है। इसके बाद ही राकांपा को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी। शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी के लोकसभा में आठ सांसद हैं, जबकि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अध्यक्षता वाली राकांपा का एक सदस्य है। राउत ने कहा, जो लोग शरद छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं वे पवार साहब को नहीं, बल्कि महाराष्ट्र को हरा रहे हैं। राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने संपर्क करने पर बताया कि मीडिया के एक वर्ग में जारी की गयी, ऐसी खबरें झूठी और मनगढ़ंत हैं, कि उनकी पार्टी भाजपा नीत गठबंधन में शामिल होने या अजित पवार के खेमे से हाथ मिलाने की योजना बना रही है।

नाना पटोले छोड़ना चाहते हैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस को अब तक की सबसे बुरी हार का सामना करने के कुछ दिनों बाद, इसकी राज्य इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने केंद्रीय नेतृत्व से उन्हें संगठनात्मक पद की जिम्मेदारी से मुक्त करने का अनुरोध किया। एआईसीसी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक पत्र लिखा, जहां उन्होंने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष के पद से मुक्त करने का अनुरोध किया और नई कार्यकारिणी की नियुक्ति के साथ-साथ राज्य कार्यकारिणी को भंग करने के लिए कहा, ताकि राज्य में कांग्रेस एक बार फिर मजबूत हो सकती है। विपक्षी एमवीए की घटक कांग्रेस ने महाराष्ट्र में 101 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल 16 सीटें जीतीं, जो कि अपने एक समय के गढ़ में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। राज्य में इसके कई शीर्ष नेता अपने विधानसभा क्षेत्रों को बरकरार रखने में विफल रहे। नाना पटोले ने खुद भंडारा जिले के साकोली विधानसभा क्षेत्र को केवल 208 वोटों से बरकरार रखा।

राष्ट्रपति शासन सबसे ज्यादा कांग्रेस ने लगाया : रिजिजू

» केंद्रीय मंत्री बोले- उत्तर पूर्व के राज्यों पर कांग्रेस ने नहीं दिया ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने संविधान पर चर्चा के दौरान कहा कि कांग्रेस सरकार ने उत्तर पूर्व के राज्यों पर ध्यान ही नहीं दिया। साल 2014 में पीएम मोदी के सत्ता संभालने के बाद उत्तर पूर्वी राज्यों में बुनियादी ढांचे पर काम हुआ। रिजिजू ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकारों में सबसे ज्यादा देश में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया। रिजिजू ने कांग्रेस से सवाल किया कि कांग्रेस ने साल 1990 तक बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को भारत रत्न से सम्मानित क्यों नहीं किया?

भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान लोकसभा में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, मुझे गर्व है कि जब प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल शुरू हुआ तो उन्होंने संविधान की इसी भावना का पालन करते हुए अपनी सरकार का मंत्र इस देश के सामने रखा। और वह मंत्र है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास।

नगर निगम जोन 4 में लेखपाल का काला कारनामा

एंटी करप्शन टीम ने घूस लेते किया गिरफ्तार

» विभूतिखंड थाने में केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एंटी करप्शन टीम ने नगर निगम के विभूतिखण्ड जोन 4 के जोनल ऑफिस में तैनात लेखपाल राजू सोनी को एक लाख रुपये की घूस लेते हुए गिरफ्तार किया है। वह प्लॉट की पैमाइश के लिए एक लाख रुपये की रिश्वत मांग रहा था। शिकायत के बाद एंटी करप्शन ने जाल बिछाकर उसे रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ विभूतिखण्ड कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। बता दें कि विभूतिखण्ड के विराजखण्ड इलाके में प्रतीक राय एक निजी कम्पनी में अफसर हैं।

उनकी चिनहट के कमता में करीब एक करोड़ रुपये की जमीन है। वह जमीन पर निर्माण कराना चाह रहे थे। जमीन की पैमाइश के लिए उन्होंने सदर तहसील में तैनात लेखपाल राजू सोनी से सम्पर्क किया। उसने रिपोर्ट लगाने के एवज में 8 लाख रुपये मांगे। सारे दस्तावेज होने के बावजूद उसने रुपये की मांग की इसके बाद एंटी करप्शन की टीम से शिकायत की गई। लेखपाल राजू सोनी ने प्रतीक से आठ लाख रुपये मांगे, लेकिन बातचीत के बाद वह पांच लाख रुपये देने की बात पर आ गया। आखिर में मामला तीन लाख रुपये में तय हो गया। पहली किस्त एक लाख रुपये एडवांस के रुप में देने थे। प्लान के मुताबिक, लेखपाल को रुपये देने के लिए एंटी करप्शन की टीम के कहने पर शिकायतकर्ता ने उसे विराजखण्ड मार्केट बुलाया। यहां पर जैसे ही आरोपी ने रिश्वत के रुपए पकड़े एंटी करप्शन टीम ने उसे दबोच लिया।

नगर निगम ने सस्पेंशन के लिए लिखा लेटर

देर रात नगर निगम की तरफ से दी गई जानकारी में बताया गया कि लेखपाल राजू सोनी द्वारा सीमांकन के लिये एडवोकेट शशिकांत बाजपेई से 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुये एन्टी करप्शन टीम ने रंगें हाथों पकड़ा था। ऐसे में उक्त लेखपाल को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करने के लिये नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, जनपद-गोण्डा को पत्र लिखा है।

एमपी का फाइनल में मुंबई से होगा सामना

» सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: सेमीफाइनल में एमपी ने दिल्ली पर सात विकेट से हराया

» रजत पाटीदार ने जीत में 66 रन का दिया अहम योगदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश ने दिल्ली को सात विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को खेले गए मैच में रजत पाटीदार का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 29 गेंदों में चार चौके और छह छक्के की मदद से 66* रन बनाए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दिल्ली ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 146 रन बनाए थे।

जवाब में मध्य प्रदेश ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 152 रन बनाए और सेमीफाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब टीम 15 दिसंबर को मुंबई के खिलाफ इसी मैदान पर फाइनल मैच खेलेगी। मध्य प्रदेश ने 13 साल में पहली बार पूर्व चैंपियन दिल्ली को सात विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। रजत पाटीदार की अगुआई वाली टीम के गेंदबाजों ने घातक प्रदर्शन किया। वेंकटेश अय्यर ने 12 रन देकर दो विकेट लिए। उनके अलावा त्रिपुरेश, आवेश और कुमार कार्तिकेय को एक-एक विकेट मिला। छोटे लक्ष्य का बचाव करने के लिए दिल्ली को गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी। लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकी।

तीसरे टेस्ट में बारिश से दूसरा सत्र भी धुला, जडेजा -आकाश को मिला मौका

ब्रिस्बेन। शनिवार से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन के गाबा स्टेडियम में खेला जा रहा है। बारिश से दूसरे सत्र का खेल पूरी तरह धुल गया है। आज अभी तक सिर्फ 13.2 ओवर का खेल हो सका है। कवर्स से पिच को ढका गया है। गाबा में मैदान सुखाने की अच्छी व्यवस्था है, लेकिन उसके लिए बारिश का रुकना जरूरी है। फिलहाल वहां काफी बारिश हो रही है। उस्मान ख्वाजा 19 रन और नाथन मैकस्वीनी चार रन बनाकर नाबाद हैं। भारतीय टीम ने दो बदलाव किए हैं। अश्विन और हर्षित की जगह जडेजा और आकाश दीप को मौका दिया गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम में स्कॉट बोलैंड की जगह हेजलवुड को मौका दिया गया है।

राजधानी की कानून व्यवस्था पर आप और भाजपा में बढ़ी तकरार

पूर्व सीएम केजरीवाल बोले- लॉ एंड आर्डर नहीं संभाल पा रही दिल्ली पुलिस, अपराध की राजधानी बन गई है दिल्ली

» केजरीवाल ने अमित शाह को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर आप व भाजपा में वार-पलटवार जारी है। पिछले दो-तीन महीने में राजधानी में अपराधों व अपहरण के मामलों में तेजी वृद्धि देखी गइ है। इसको लेकर दिल्ली के के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर शनिवार को अमित शाह को पत्र लिखा और दिल्ली में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गृह मंत्री से मिलने का समय मांगा।

केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में चिंताजनक कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर हमला बोला था और कहा था कि अगर उनकी पार्टी की सरकार दिल्ली पुलिस पर नियंत्रण रखती तो स्थिति अलग होती। करोल बाग में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एक पदयात्रा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि वह केंद्र को शहर में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मजबूर करने के लिए जनता के साथ एक आंदोलन शुरू करेंगे। राष्ट्रीय राजधानी में अपराध में वृद्धि का हवाला देते हुए, केजरीवाल ने कहा, भारत के 19 मेट्रो शहरों में से दिल्ली महिलाओं के खिलाफ अपराध में नंबर एक पर है। हत्या के मामले में दिल्ली नंबर वन. दिल्ली में रंगदारी वसूलने वाले गिरोह सक्रिय हो गए हैं और एयरपोर्ट तथा स्कूलों को धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं पूरी दिल्ली में लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं, जिसे अब भारत और विदेशों में अपराध की राजधानी के रूप में पहचाना जा रहा है।

भाजपा गंभीर मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास करती है

भाजपा ने अतीत में आप पर राजनीतिक लाभ के लिए आपराधिक तत्वों को बचाने का आरोप लगाकर आरोपों का जवाब दिया है। हालाँकि, केजरीवाल ने तर्क दिया कि इस तरह के दावे सार्वजनिक सुरक्षा के गंभीर मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाने का एक प्रयास थे। अगले साल की शुरुआत में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए, सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप तेज कर दिए हैं।

लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत बिगड़ी

» अपोलो अस्पताल में कराया गया भर्ती

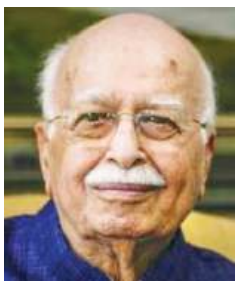

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 96 वर्ष के दिग्गज बीजेपी नेता लालकृष्ण आडवाणी का न्यूरोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर विनीत सूरी की देखरेख में इलाज किया जा रहा है। इससे पहले 04 जुलाई 2024 को भी आडवाणी को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उससे कुछ दिन पहले आडवाणी को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले जाया गया था। उन्हें एम्स में एक रात रखने के बाद छुट्टी दे दी गई थी।

लालकृष्ण आडवाणी को दिल्ली के एम्स से 27 जून को डिस्चार्ज किया गया था। उन्हें उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पातल में भर्ती कराया गया था। अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। लालकृष्ण आडवाणी को जरियाट्रिक डिपार्टमेंट के डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया था। लालकृष्ण आडवाणी ने करीब तीन दशकों का संसदीय करियर देखा है। वो भारतीय जनता पार्टी को खड़ा करने और उसे राष्ट्रीय स्तर तक लाने वाले नेताओं में शामिल रहे। लालकृष्ण आडवाणी कभी पार्टी के कर्णधार कहे गए, कभी लौह पुरुष और कभी पार्टी का असली चेहरा। उन्हें भारतीय जनता पार्टी का शिल्पकार भी कहा जाता है।

अल्लू अर्जुन जेल से रिहा

साउथ सुपरस्टार ने महिला की मौत पर जताया अफसोस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन जेल से रिहा हो गए हैं। जमानत के बाद अल्लू अर्जुन का पहला बयान सामने आया है। एक्टर ने मीडिया से बात करते हुए अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है जिन्होंने इस मुश्किल वक्त में उनका साथ दिया। इसके अलावा पुष्पा 2 एक्टर ने भगदड़ में हुई महिला की मौत पर अफसोस जताया ह।

जेल से रिहा होते ही अल्लू अर्जुन गीता आर्ट्स प्रोडक्शन हाउस पहुंचे थे। इस दौरान उनके पिता अरविंद अल्लू उनके साथ दिखाई दिए थे। अब एक्टर ने मीडिया से बात करते हुए अपने फैंस और सपोर्टर्स को थैंक्यू कहा है। अल्लू अर्जुन ने कहा मैं प्यार और सपोर्ट

के लिए सभी को धन्यवाद देता हूं. मैं अपने सभी फैंस को धन्यवाद देना चाहता हूं। अल्लू अर्जुन ने आगे कह कि चिंता की कोई बात नहीं है,मैं ठीक हूं, मैं कानून को मानने वाला नागरिक हूं और सहयोग करूंगा। मैं एक बार फिर परिवार के लिए अपनी संवेदनाएं व्यक्त करना चाहता हूं, ये एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, जो हुआ उसके लिए हमें अफसोस है कि एक परिवार फिल्म देखने जाता है और किसी की जान चली जाती है। ये मेरे बस में नहीं था।

कैबिनेट विस्तार पर शिंदे ने दी सहमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार को लेकर महायुति में खटपट की अटकलों पर अब जल्द विराम लगने वाला है। दरअसल, भाजपा के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार का दिन तय हो गया है।माना जा रहा है कि शिंदे गुट जो गृह मंत्रालय और कुछ बड़े कैबिनेट मंत्रालयों पर अड़ा हुआ था, उसे मना लिया गया है।

15 दिसंबर को नए मंत्री लेंगे शपथ

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 15 दिसंबर को महाराष्ट्र सरकार का कैबिनेट विस्तार होगा। नए मंत्री नागपुर में एक समारोह में पद की शपथ लेंगे। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने शुक्रवार को प्रेस एजेंसी पीटीआई को बताया कि 30-32 मंत्री शपथ

ले सकते हैं। इस बीच राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने शुक्रवार को कैबिनेट गठन को अंतिम रूप देने के लिए उपमुख्यमंत्री शिंदे और अजित पवार से अलग-अलग मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि दक्षिण मुंबई में अजित पवार के देवगिरी बंगले पर गहन विचार-विमर्श हुआ, जहां उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं से मुलाकात की। माना जा रहा है कि इस बैठक में अजित पवार ने उन नेताओं का नाम तय किया जिसे मंत्री बनाया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि भाजपा को 20-21 मंत्री पद मिलने की संभावना है, शिवसेना को 11-12 और एनसीपी को 9-10 मंत्री पद मिल सकते हैं।

43 विधायक ही बन सकते हैं मंत्री

देवेंद्र फडणवीस ने 5 दिसंबर को मुंबई में एक भव्य समारोह में शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे और एनसीपी प्रमुख अजित पवार के साथ मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। महाराष्ट्र में मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 43 सदस्य हो सकते हैं।

बिहार में एक थप्पड़ की गूंज से हिला पूरा देश

पटना के डीएम ने बीपीएससी परीक्षार्थी को मारा था थप्पड़, मामला राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक पहुंचा

» महागठबंधन के निशाने पर नीतीश सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार एक थप्पड़ की गूंज से गूंज रहा है। की गूंज की वजह से वहां की सियासत भी गरमा गई है। आम लोगों के साथ छात्र-छात्राओं, कोचिंग सेंटर्स, पुलिस-प्रशासन से लेकर राजनेताओं के बीच इस थप्पड़ की गूंज साफ सुनाई दे रही है। यहां तक कि मामला राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक पहुंच गया है।

ये थप्पड़ पटना के डीएम चंद्रशेखर सिंह ने बीपीएससी परीक्षार्थियों में एक छात्र को मारा। अब मामला राजनीतिक तो ही गया है, कानूनी भी होता दिख रहा है.। सुप्रीम कोर्ट के एक वकील

ब्रजेश सिंह डीएम के थप्पड़ मारने के मामले को एनएचआरसी के पास ले गए हैं। इससे डीएम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसको लेकर राजद समेत कई विपक्षी दलों ने नीतीश सरकार को घेरा है।

दरअसल, बिहार लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में जमकर हंगामा देखने को मिला। परीक्षा समाप्त होने के बाद पटना के कुम्हरार में बापू परीक्षा परिसर पर छात्रों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा कर रहे परीक्षार्थियों में से एक को पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने थप्पड़ जड़ दिया।

विरोध करने पर छात्र-छात्राओं को पुलिस से पिटवाया जा रहा : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने इस मामले में सीधे नीतीश कुमार को घेर लिया है। उन्होंने कहा कि ये सरकार 10वीं से लेकर बीपीएससी तक की परीक्षा बगैर पेपरलीक नहीं करा पा रही है। विरोध करने पर छात्र-छात्राओं को पुलिस से पिटवाया जा रहा है। छात्रों को जोर से झापड़ मारा जा रहा है। इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी नीतीश कुमार मौन हैं। सरकार में दो-दो डिप्टी सीएम हैं, लेकिन किसी का इस पर बयान नहीं आ रहा है। यही छात्र-छात्राएं आने वाले समय में इस सरकार को जवाब देंगे।

नॉर्मलाइजेशन को लेकर छात्रों ने किया था विरोध-प्रदर्शन

बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं संयुक्त प्राथमिक परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन को खान सर ने समर्थन दे दिया और खुद धरना स्थल पर पहुंच गए थे। बीपीएससी के अभ्यर्थियों ने पटना में बीपीएससी कार्यालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने शहर में बेली रोड को भी जाम कर दिया. इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को तितर-बितर करने और व्यवस्था बहाल करने के लिए लाठीचार्ज किया। इसके बाद खान सर की टीम की तरफ से पहले बताया गया कि उन्हें हिरासत में लिया गया है। बाद में कहा गया कि गिरफ्तार कर लिया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।